SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Biochemist / Clinical Biochemist (Rajasthan)

जैव रसायनज्ञ राजस्थान के चिकित्सा शिक्षा विभाग का वह अधिकारी है जो मेडिकल कॉलेज एवं उससे संलग्न चिकित्सालय की जैव रसायन प्रयोगशाला सँभालता है। इस पद पर रक्त एवं शरीर के अन्य नमूनों की जैव रासायनिक जाँच, उन जाँचों की गुणवत्ता एवं...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-biochemist

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

जैव रसायनज्ञ राजस्थान के चिकित्सा शिक्षा विभाग का वह अधिकारी है जो मेडिकल कॉलेज एवं उससे संलग्न चिकित्सालय की जैव रसायन प्रयोगशाला सँभालता है। इस पद पर रक्त एवं शरीर के अन्य नमूनों की जैव रासायनिक जाँच, उन जाँचों की गुणवत्ता एवं शुद्धता का नियंत्रण, प्रयोगशाला के उपकरणों एवं अभिकर्मकों का प्रबंधन, जाँच-परिणामों की व्याख्या में चिकित्सकों का सहयोग, तथा एम.बी.बी.एस. एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के प्रयोगशाला प्रशिक्षण में भागीदारी आती है। मधुमेह, गुर्दे एवं यकृत के रोग, थायरॉइड तथा हृदय-सम्बन्धी संकट — इन सबका निदान जिन संख्याओं पर टिकता है, वे इसी प्रयोगशाला से निकलती हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि यह पद चिकित्सा शिक्षा विभाग का है, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग का नहीं — अर्थात् इसका कार्यस्थल मेडिकल कॉलेज है, ज़िला चिकित्सालय अथवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	जैव रसायन विज्ञान में एम.एससी. (मेडिकल) — सेवा नियम 1962 की अनुसूची तथा आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति दोनों में यही शब्द हैं
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: चिकित्सा शिक्षा
आयु-सीमा	अधिकतम 37 वर्ष — सावधान रहें, यह राजस्थान के अधिकांश पदों की 40 वर्ष की सीमा से तीन वर्ष कम है (सेवा नियम 1962, नियम 11) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	राजस्थान पे मैट्रिक्स का स्तर एल-14, ग्रेड पे 5400 — मूल वेतन ₹56,100 (2024 की विज्ञप्ति के अनुसार)
माँग	100% सीधी भर्ती — कनिष्ठ पद पर कोई पदोन्नति-कोटा नहीं

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- रसायन एवं जीव विज्ञान का मिलन-बिंदु — शरीर के भीतर चलने वाली रासायनिक क्रियाएँ
- रोग-निदान में योगदान, बिना स्वयं चिकित्सक बने
- प्रयोगशाला का सूक्ष्म, सटीक एवं व्यवस्थित काम

क्षमताएँ

- अत्यधिक सटीकता — एक गलत मान चिकित्सक को गलत निदान की ओर ले जा सकता है
- संख्याओं में असामान्यता पहचानने की दृष्टि
- उपकरणों की समझ एवं तकनीकी समस्या सुलझाने की क्षमता

ज़रूरी कौशल

- जैव रासायनिक विश्लेषण एवं स्वचालित विश्लेषक (ऑटो-एनालाइज़र) का संचालन
- अभिकर्मक, अंशांकन (कैलिब्रेशन) एवं मानक विलयन तैयार करना
- अभिलेख, प्रयोगशाला सूचना प्रणाली एवं रिपोर्ट का सत्यापन
- गुणवत्ता नियंत्रण — आंतरिक एवं बाह्य दोनों
- प्रयोगशाला सुरक्षा एवं जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का निस्तारण
- विद्यार्थियों एवं तकनीशियनों का प्रशिक्षण — यह मेडिकल कॉलेज का पद है, इसलिए पढ़ाना काम का हिस्सा है

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान वर्ग से जीव विज्ञान एवं रसायन विज्ञान के साथ उत्तीर्ण करें।
2. स्नातक करें — बी.एससी. में जैव रसायन, रसायन, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान अथवा जीव विज्ञान से जुड़े विषय। कुछ विश्वविद्यालयों में एम.एससी. (मेडिकल) के लिए बी.एससी. के विषयों की अपनी शर्तें होती हैं, इसलिए प्रवेश-विवरणिका पहले ही देख लें।
3. एम.एससी. (मेडिकल) जैव रसायन विज्ञान करें। यहाँ सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है: नियम एवं विज्ञप्ति दोनों में शब्द "एम.एससी. (मेडिकल)" हैं, और यह चिकित्सा संकाय की डिग्री है जो मेडिकल कॉलेज एवं आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय देते हैं। विज्ञान संकाय की सामान्य एम.एससी. (जैव रसायन) उससे भिन्न डिग्री है। दोनों को एक मान लेना इस पद पर सबसे महँगी भूल हो सकती है — यदि आपके पास विज्ञान संकाय की एम.एससी. है तो आवेदन से पहले उसी चक्र की विज्ञप्ति में समकक्षता की शर्त पढ़ें, और संदेह हो तो आयोग से लिखित में पूछें। यह पृष्ठ आपके लिए यह प्रश्न तय नहीं कर सकता।
4. आयु का ध्यान रखें और इसे जल्दी योजना में लाएँ: अधिकतम आयु 37 वर्ष है, 40 नहीं। यह पद 1962 के अपने सेवा नियमों से चलता है, जिनकी आयु-योजना राजस्थान के सामान्य पदों से अलग है। 42 वर्ष की ऊँची सीमा केवल उन पदों के लिए है जिनकी न्यूनतम योग्यता डी.एम. अथवा एम.सी.एच. है — यह पद उनमें नहीं आता।

5 आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें। ध्यान दें कि इस पद के लिए अंतिम वर्ष में अध्ययनरत अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकता है, किंतु उसे साक्षात्कार आरंभ होने की तिथि से पूर्व योग्यता अर्जित करने का प्रमाण देना होगा — यह छूट 2024 की विज्ञप्ति में स्पष्ट रूप से दी गई थी।

प्रमुख परीक्षाएँ

- यह पद अनुसूची के "नॉन-क्लिनिकल विंग" में कनिष्ठ पद के रूप में आता है और 100% सीधी भर्ती से भरा जाता है। इसका अर्थ यह है कि इस स्तर पर कोई पदोन्नति-कोटा नहीं है और स्वीकृत पद पूरी तरह आयोग की भर्ती से आते हैं। इसके ऊपर के तीनों पद इसके विपरीत 100% पदोन्नति से भरते हैं — अर्थात् इस संवर्ग में प्रवेश का एक ही द्वार है, और वह यही पद है।
- योग्यता का पाठ छोटा है और उसी में उसकी कठिनाई है — "एम.एससी. (मेडिकल) जैव रसायन विज्ञान में", और कोई विकल्प नहीं। तुलना करें: इसी सूची के कई पदों की योग्यता में विषयों की लंबी सूची होती है अथवा "अथवा समकक्ष" का प्रावधान होता है। यहाँ नियम में वैसा कोई विस्तार नहीं है। इसलिए डिग्री का सही प्रकार चुनना — विज्ञान संकाय की नहीं, चिकित्सा संकाय की — इस पद तक पहुँचने का निर्णायक कदम है, और वह निर्णय स्नातकोत्तर में प्रवेश के समय लिया जाता है, विज्ञप्ति आने पर नहीं।
- आयु-सीमा पर दोबारा ध्यान दिलाना उचित है क्योंकि यह चूक महँगी है। सेवा नियम 1962 का नियम 11 कहता है कि अनुसूची के कनिष्ठ पद पर सीधी भर्ती का अभ्यर्थी 37 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं किया हुआ होना चाहिए। पहले यह 35 वर्ष थी और 25.06.2004 को इसे 37 किया गया। राजस्थान के अधिकांश पदों की 40 वर्ष की सीमा यहाँ लागू नहीं होती। जो अभ्यर्थी अन्य भर्तियों के अनुभव से 40 मान लेता है, वह तीन वर्ष का अवसर चुपचाप खो देता है।
- चयन आयोग की भर्ती प्रक्रिया के अनुसार होता है और उसका विस्तृत स्वरूप उसी चक्र की विज्ञप्ति में दिया जाता है; 1962 के सेवा नियमों में परीक्षा की कोई निश्चित योजना अनुसूचित नहीं है, इसलिए इस पृष्ठ पर प्रश्न-पत्रों का विवरण नहीं लिखा गया। 2024 की विज्ञप्ति में इस पद के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया का उल्लेख है।

- एक व्यावहारिक चेतावनी: इस पद की विज्ञप्ति कम आती है और पदों की संख्या छोटी रहती है। 2014 एवं 2024 — दो विज्ञप्तियाँ इस कार्य के दौरान मिलीं। इसलिए इसे अकेली योजना बनाकर न चलें। वही एम.एससी. (मेडिकल) डिग्री मेडिकल कॉलेजों की प्रदर्शक (डेमॉन्स्ट्रेटर) एवं ट्यूटर की भर्तियों, निजी एवं संदर्भ प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थानों, तथा पीएच.डी. एवं शिक्षण की राह में भी चलती है।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur — the state health-sciences university under which the medical colleges sit — जयपुर, राजस्थान (https://ruhsraj.org/)
- SMS Medical College, Jaipur — M.Sc. (Medical) programmes including Biochemistry — जयपुर, राजस्थान
- Government medical colleges at Jodhpur, Udaipur, Bikaner, Ajmer and Kota — राजस्थान के संभाग मुख्यालय (https://ruhsraj.org/)
- AIIMS Jodhpur — postgraduate study and research in biochemistry — जोधपुर, राजस्थान

ऑनलाइन

- चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है — चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग नहीं (https://medicaleducation.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) एवं एन.पी.टी.ई.एल. — जैव रसायन एवं जीव विज्ञान के निःशुल्क पाठ्यक्रम — भारत सरकार (https://swayam.gov.in/)
- National Medical Commission — recognised medical institutions and their courses — डिग्री चुनने से पहले संस्थान की मान्यता जाँचें (https://www.nmc.org.in/)

- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

सबसे बड़ा खर्च एम.एससी. (मेडिकल) का है, और यहीं सबसे बड़ी बचत भी संभव है। सरकारी मेडिकल कॉलेज में इस पाठ्यक्रम का शुल्क निजी संस्थान की तुलना में बहुत कम पड़ता है, और राजस्थान में यह पाठ्यक्रम आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजकीय मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध है, इसलिए राज्य के विद्यार्थी को प्रायः बाहर जाने की आवश्यकता नहीं। सीटें कम होती हैं और प्रवेश प्रतिस्पर्धी रहता है, इसलिए स्नातक के अंक यहाँ सीधे मायने रखते हैं। बी.एससी. राजकीय महाविद्यालय से बहुत कम शुल्क पर हो जाती है। एक बात जो पैसे से अधिक महत्त्वपूर्ण है: प्रवेश लेने से पहले यह निश्चित कर लें कि जिस पाठ्यक्रम में आप बैठ रहे हैं वह वास्तव में "एम.एससी. (मेडिकल)" है, क्योंकि इस पद की पात्रता उसी शब्द पर टिकी है। नाम में समान दिखने वाला विज्ञान संकाय का पाठ्यक्रम सस्ता एवं सुलभ हो सकता है, पर वह इस विशेष द्वार को नहीं खोलता। अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं ई.डब्ल्यू.एस. के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क-पुनर्भरण की योजनाएँ लागू होती हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं उनसे संलग्न चिकित्सालयों की जैव रसायन प्रयोगशालाएँ — जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, अजमेर, कोटा तथा नए मेडिकल कॉलेजों में। काम पूरी तरह प्रयोगशाला के भीतर होता है।

कार्य-संस्कृति

यह अकादमिक एवं नैदानिक — दोनों प्रकार का वातावरण है, और यही इसकी विशेषता है। एक ओर आप चिकित्सालय की नियमित जाँचों की धारा सँभालते हैं, जिसमें आपात नमूने भी आते हैं और उनकी रिपोर्ट देर नहीं कर सकती; दूसरी ओर आप मेडिकल कॉलेज के वातावरण में रहते हैं, जहाँ विद्यार्थी, स्नातकोत्तर प्रशिक्षु एवं शोध साथ-साथ चलते हैं। काम शारीरिक रूप से भारी नहीं है, पर मानसिक रूप से माँग वाला है, क्योंकि यहाँ त्रुटि की गुंजाइश असामान्य रूप से कम है — जो मान आप रिपोर्ट करते हैं उस पर चिकित्सक औषधि की मात्रा तय करता है, और थोड़ी-सी चूक रोगी तक पहुँच जाती है। इसीलिए गुणवत्ता नियंत्रण इस पद की दिनचर्या का स्थायी भाग है, कोई अतिरिक्त औपचारिकता नहीं। एक ईमानदार बात: यह पद जनता की दृष्टि में नहीं आता। रोगी उस चिकित्सक को जानता है जिसने उपचार किया, उस प्रयोगशाला को नहीं जिसने निदान संभव बनाया। जिसे काम में दृश्यता चाहिए उसके लिए यह उपयुक्त नहीं; जिसे सटीकता एवं शांति में संतोष मिलता है, उसके लिए यह बहुत अच्छा पद है।

कौन नौकरी देता है

- चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान — राजकीय मेडिकल कॉलेज
- निजी एवं संदर्भ (रेफरेंस) प्रयोगशालाएँ तथा नैदानिक शृंखलाएँ
- मेडिकल कॉलेजों से संलग्न चिकित्सालयों की केंद्रीय प्रयोगशालाएँ
- अनुसंधान संस्थान एवं औषधि उद्योग की विश्लेषणात्मक इकाइयाँ

माँग (2026)

राजस्थान में मेडिकल कॉलेजों की संख्या पिछले वर्षों में बढ़ी है और हर कॉलेज को अपनी जैव रसायन प्रयोगशाला चाहिए, इसलिए इस संवर्ग की आवश्यकता बनी हुई है। परंतु इस पद के बारे में दो बातें स्पष्ट रूप से कहनी चाहिए। पहली, संवर्ग छोटा है और पदों की संख्या कम — इस कार्य के दौरान केवल दो विज्ञप्तियाँ मिलीं, 2014 एवं 2024, इसलिए यह वह पद नहीं है जिसकी विज्ञप्ति की प्रतीक्षा में वर्ष बिताए जाएँ। दूसरी, इसकी योग्यता संकीर्ण है, इसलिए इस डिग्री तक पहुँचने वाले अभ्यर्थियों की संख्या भी सीमित रहती है — अर्थात् प्रतिस्पर्धा का स्वरूप अन्य पदों से भिन्न है, पर अवसर भी कम आते हैं। इसके विरुद्ध यह सुविधा है कि वही एम.एससी. (मेडिकल) डिग्री मेडिकल कॉलेजों की प्रदर्शक एवं ट्यूटर भर्तियों, निजी एवं संदर्भ प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थानों, तथा पीएच.डी. एवं शिक्षण की राह में भी चलती है। इसलिए सही रणनीति यह है कि डिग्री को अपने आप में एक करियर मानें और इस सरकारी पद को उसके भीतर एक अवसर, न कि पूरी योजना। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. जैव रसायनज्ञ / क्लिनिकल बायोकेमिस्ट (कनिष्ठ पद) — 100% सीधी भर्ती; इस संवर्ग में प्रवेश का एकमात्र द्वार
2. वरिष्ठ जैव रसायनज्ञ — 100% पदोन्नति से, शिक्षण चिकित्सालय अथवा मेडिकल कॉलेज से संलग्न प्रयोगशाला में सात वर्ष के अनुभव पर
3. अधीक्षक जैव रसायनज्ञ — 100% पदोन्नति से, वरिष्ठ जैव रसायनज्ञ के पद पर पाँच वर्ष के अनुभव पर

4 मुख्य जैव रसायनज्ञ — 100% पदोन्नति से, अधीक्षक जैव रसायनज्ञ के पद पर आठ वर्ष के अनुभव पर; संवर्ग का शीर्ष

कमाई

शुरुआत	राजस्थान पे मैट्रिक्स स्तर एल-14 — मूल वेतन ₹56,100
मध्य स्तर	₹75,000 – ₹95,000 (भत्तों सहित, वरिष्ठ जैव रसायनज्ञ के स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹1,10,000 से अधिक (भत्तों सहित, अधीक्षक एवं मुख्य जैव रसायनज्ञ के स्तर पर)

आरंभिक स्तर 2024 की विज्ञप्ति से लिया गया है, जो इस पद के लिए पे मैट्रिक्स स्तर एल-14 (ग्रेड पे 5400) देती है; एल-14 का पहला खाना ₹56,100 है और यही आँकड़ा इस पोर्टल पर आर.ए.एस. के पृष्ठ पर एक स्वतंत्र स्रोत से पहले ही प्रकाशित है, इसलिए यह दो स्रोतों से मिलान करके लिखा गया है। ध्यान दें कि यह प्रवेश-स्तर आर.ए.एस. के प्रवेश-स्तर के बराबर है — एक छोटे एवं कम चर्चित संवर्ग के लिए यह उल्लेखनीय है। परिवीक्षा काल में राज्य सरकार के नियमानुसार नियत मासिक वेतन (फिक्स पे) देय होता है, पूरा वेतनमान उसके बाद आरंभ होता है, और यह बात 2024 की विज्ञप्ति में स्पष्ट रूप से लिखी है। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक वेतन-पत्रक से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। एक सावधानी और: स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती। राजस्थान के पे मैट्रिक्स का एल-14 ₹56,100 है, जबकि केंद्र के सातवें वेतन आयोग के मैट्रिक्स का लेवल 14 ₹1,44,200 है। इसलिए किसी केंद्रीय पद के "लेवल" से इस संख्या की सीधी तुलना न करें — तुलना रुपये के आँकड़े से करें, स्तर की संख्या से नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- 100% सीधी भर्ती, और प्रवेश-वेतन आर.ए.एस. के प्रवेश-स्तर (एल-14) के बराबर
- मेडिकल कॉलेज का अकादमिक वातावरण — शिक्षण एवं शोध काम का हिस्सा
- संकीर्ण योग्यता का दूसरा पहलू — इस डिग्री तक पहुँचने वाले अभ्यर्थी सीमित रहते हैं
- ऊपर का पूरा संवर्ग पदोन्नति से भरता है, इसलिए प्रवेश के बाद आगे का मार्ग स्पष्ट है

चुनौतियाँ

- अधिकतम आयु 37 वर्ष — सामान्य 40 से तीन वर्ष कम, और यही सबसे आम चूक है
- योग्यता में कोई विकल्प नहीं — एम.एससी. (मेडिकल) ही, विज्ञान संकाय की एम.एससी. भिन्न डिग्री है
- संवर्ग छोटा एवं विज्ञप्ति विरल — केवल 2014 एवं 2024 की विज्ञप्तियाँ मिलीं
- काम जनता की दृष्टि में नहीं आता, यद्यपि निदान उसी पर टिकता है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान चिकित्सा सेवा (महाविद्यालय शाखा) नियम, 1962 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/20230421123150393604 1medical_merged.pdf

2. आर.पी.एस.सी. — बायोकेमिस्ट भर्ती विज्ञप्ति, दिनांक 27.09.2024 — https://rpsc.rajasthan.gov.in/Static/RecruitmentAdvertisements/4BBF9657F4AA487DB4977726150B1754.pdf

3. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

4. राजस्थान आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर — https://ruhsraj.org/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in